ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
नैक द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त/Accreditated with 'A' Grade by NAAC

डॉ. शोभा पालीवाल / **Dr. Shobha Paliwal**
समन्वयक–आईक्यूएसी / **Coordinator-IQAC**

दूरभाष/**Phone:** +91 7387812625

पत्रांक: 062/आईक्यूएसी/2015-16/637
दिनांक : 18 अप्रैल 2016

सूचना

सक्षम अधिकारी के निर्देशानुसार दिनांक 07 अप्रैल 2016 को समस्त विभागाध्यक्षो/केंद्र निदेशकों को प्रेषित पत्र के क्रम में विश्वविद्यालय में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि सत्र 2015-16 का शीत सत्र समाप्त हो गया है। अत: आप अपना फीडबैक फार्म भरकर आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) कार्यालय में रखे फीडबैक फार्म बॉक्स में आवश्यक रूप से डालने का कष्ट करें। विद्यार्थी फीडबैक फार्म अपने विभाग से प्राप्त कर सकते हैं या वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं।

18/4/16

(शोभा पालीवाल)

प्रतिलिपि,

1. कुलपति कार्यालय
2. कुलसचिव कार्यालय
3. प्रभारी लीला (वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु)
4. समस्त सूचना पट्ट
5. कार्यालय प्रति

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रिय विद्यार्थी!

आपके विश्वविद्यालय और अध्यापक आपके पठन-पाठन में सहायता के लिए यथासंभव प्रयास कर रहे हैं। इस हेतु पाठ्य विषय की आधुनिक प्रवृत्तियों तथा बदलते समय की मांग के अनुसार वे पाठ्यचर्या में परिवर्तन भी करते हैं। आप इस प्रक्रिया में हमारा सहयोग कर सकते हैं। आप पाठ्यक्रम के परिचालन या उसकी संरचना और विषयवस्तु के विषय में हमें वे बातें बता सकते हैं जिनके कारण आपके अध्ययन में बाधा पड़ती है।

इस प्रपत्र में दो भाग हैं :

भाग- (अ) इसमें अध्यापन से जुड़ी हुई बातें दी गयी हैं जिनमें प्रत्येक पर आपको अपनी प्रतिक्रिया सही का चिह्न (✓) लगा कर देनी हैं। आप गंभीरता से अपनी प्रतिक्रिया दें। इससे अध्यापक को उसकी कार्यक्षमता का पता चलेगा और वह अपने में सुधार लाने का प्रयास करेगा।

भाग- (ब) इसमें पाठ्यक्रम की संरचना और उसकी विषयवस्तु के बारे में कुछ प्रश्न दिए गए हैं। इस भाग में आपकी प्रतिक्रियाओं से आपके पूरे पाठ्यक्रम में विषय की स्थिति का मूल्यांकन करने में मदद मिलेगी और सीखने-सिखाने की पूरी प्रक्रिया में सुधार लाना संभव हो सकेगा। विश्वविद्यालय इसे प्रभावी और प्रासंगिक बनाना चाहता है, और यदि आवश्यक हुआ तो उसमें परिवर्तन लाने के लिए तैयार रहेगा।

अपनी प्रतिक्रिया पर कृपया आप अपना नाम न लिखें न ही हस्ताक्षर करें। यदि आपके कुछ अतिरिक्त विचार हैं और परिपत्र पर स्थान कम हो तो आप किसी अन्य कागज पर अपने विचार लिखकर उसके साथ जोड़ दें।

सहयोग के लिए धन्यवाद।

भाग-(अ) अध्यापक के विषय में प्रतिक्रिया

विभाग :.. **विषय नाम :**..

अध्यापक का नाम :.. **पाठ्यक्रम संरचना :** अत्युत्तम, उत्तम, साधारण, साधारण से कम, निम्न

विचारणीय बिंदु :..

क्रम	(अ) पाठ्यक्रम का संगठन	अत्युत्तम	उत्तम	साधारण	साधारण से कम	निम्न
1	विषय के विभिन्न उपविषयों (टॉपिक) को पढ़ाने का क्रम					
2	पाठ्यक्रम के पूरे विषयों को सम्मिलित करना तथा उन पर उचित बल देना					
3	व्याख्यान की नियमितता (रेगुलेरिटी)					
4	कक्षा में होने वाले परीक्षणों की नियमितता तथा मूल्यांकन					
	योग					

क्रम	(ब) विषयवस्तु की तैयारी	अत्युत्तम	उत्तम	साधारण	साधारण से कम	निम्न
1	विषय को समझाने की योग्यता					
2	विषय में रुचि जगाने की योग्यता					
3	प्रश्नों के उत्तर देने की योग्यता					
	योग					

क्रम	(स) छात्रों से भाव संबंध (रैपो) तथा व्यक्तित्व	अत्युत्तम	उत्तम	साधारण	साधारण से कम	निम्न
1	उत्साह					
2	छात्रों और उनकी समस्याओं में रुचि					
3	कक्षा की समस्याओं पर संवेदनशीलता					
	योग					

क्रम	(द) शिक्षक की विषय वस्तु पर समझ एवं जागरूकता	अत्युत्तम	उत्तम	साधारण	साधारण से कम	निम्न
1	विषय वस्तु आधारित अवधारणा					
2	संप्रेषण क्षमता					
3	कक्षा में आई.सी.टी. का उपयोग					
	योग					
	कुलयोग (अ+ब+स+द)					

कोई अन्य टिप्पणी : ....

भाग-(ब) : पाठ्यक्रम की संरचना तथा विषयवस्तु के बारे में प्रतिक्रिया

विभाग :... विषय का नाम :...

अध्यापक का नाम :... पाठ्यक्रम संरचना :...

(1) अन्य पाठ्यक्रमों की तुलना में यह पाठ्यक्रम :

अत्यंत कठिन है	अधिक कठिन है	औसत कठिनाई वाला है	कम कठिन है	बहुत आसान है

(2) आपके विचार में क्या इस पाठ्यक्रम की विषयवस्तु में इस विषय में उपलब्ध ज्ञान की वर्तमान स्थिति को सम्मिलित किया गया है या इसमें परिवर्तन की आवश्यकता है :

1	पाठ्यक्रम की विषयवस्तु तथा संरचना अपने वर्तमान रूप में स्वीकार्य है।	
2	पाठ्यक्रम की विषयवस्तु/संरचना में पर्याय परिवर्तन की आवश्यकता है।	
3	पाठ्यक्रम विषयवस्तु/संरचना में आंशिक परिवर्तन की आवश्यकता है।	
4	पाठ्यक्रम में उस क्षेत्र के समकालीन विकास को नहीं शामिल किया गया है अतः उसकी कोई उपयोगिता नहीं है।	
5	विषयवस्तु का अपर्याप्त ज्ञान अपेक्षित समय की अनुपलब्धता के कारण कोई निर्णय लेना कठिन है।	

(3) यदि पाठ्यक्रम वैकल्पिक है, तो क्या आप इसे अगले वर्ष चलाने के लिए संस्तुति करेंगे :

(i) हाँ, मैं इसकी प्रबल संस्तुति करूँगा।
(ii) संस्तुति करूँगा।
(iii) संस्तुति करूँगा पर कुछ बदलाव के साथ।
(iv) संस्तुति नहीं करूँगा।
(v) मेरी कोई टिप्पणी नहीं है।

(4) अपने समग्र मूल्यांकन में तथा आप जो अन्य पाठ्यक्रम पढ़ रहे हैं उनकी तुलना में आप क्या यह मानेंगे कि :

(i) पाठ्यक्रम अपने वर्तमान रूप में बड़ा लाभदायक है।
(ii) विषयवस्तु स्वीकार्य है पर अध्यापक बदल कर इसे और प्रभावशाली बनाया जा सकता है।
(iii) अध्यापन प्रभावी है, पर विषय वस्तु में बहुत ज्यादा/कम सुधार की आवश्यकता है।
(iv) यह पाठ्यक्रम काफी सुधार लाने के बाद ही स्वीकार्य होगा।
(v) इस पाठ्यक्रम को बंद कर देना चाहिए।

(5) पाठ्यक्रम की वर्तमान संरचना तथा विषयवस्तु अपनी समग्रता में संतुलित है या इसमें बदलाव की जरूरत है।

(i) किसी परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।
(ii) इस पाठ्यक्रम का भारांक (वेटेज) थोड़ा बढ़ना चाहिए।
(iii) इस पाठ्यक्रम का भारांक (वेटेज) ज्यादा होना चाहिए।
(iv) इस पाठ्यक्रम का भारांक (वेटेज) स्वीकार्य है पर इसे जिस सेमेस्टर में रखा गया है उसमें बदलाव की आवश्यकता है।
(v) कोई टिप्पणी नहीं।

(6) आपके मत में, इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद आपके ज्ञान में कितनी वृद्धि हुई है।

(i) अत्याधिक
(ii) अधिक
(ii) औसत
(iv) थोड़ा
(v) बिल्कुल नहीं